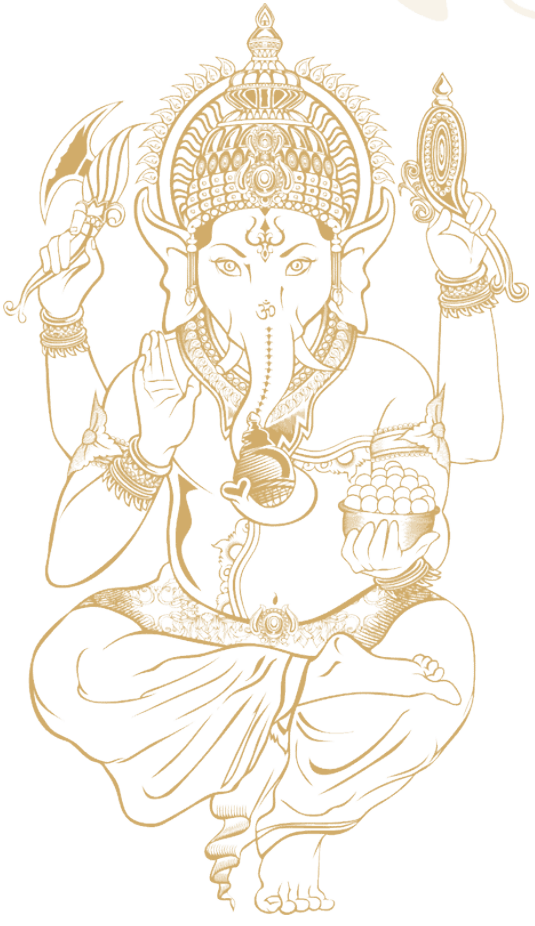

Ms Jashdeep Kaur

30 Aug 1999

01:25 PM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119447505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/08/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:25:00 घंटे**
इष्ट	18:38:14 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:02:08 घंटे
वेलान्तर	-00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल	11:34:25 घंटे
सूर्योदय	05:57:42 घंटे
सूर्यास्त	18:49:02 घंटे
दिनमान	12:51:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:39:56 सिंह
लग्न के अंश	17:20:19 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	17:20:19	309:13:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			सिंह	12:39:56	00:57:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	25:08:42	14:01:46	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	03:59:39	00:36:51	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	03:35:55	01:56:55	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	11:05:33	00:01:02	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	27:38:14	00:27:02	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:19:55	00:00:02	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:56:30	00:03:10	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:56:30	00:03:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:05:53	00:02:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप	व		मक	08:14:59	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	13:55:25	00:00:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	29:11:11	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:56

लग्न-चलित

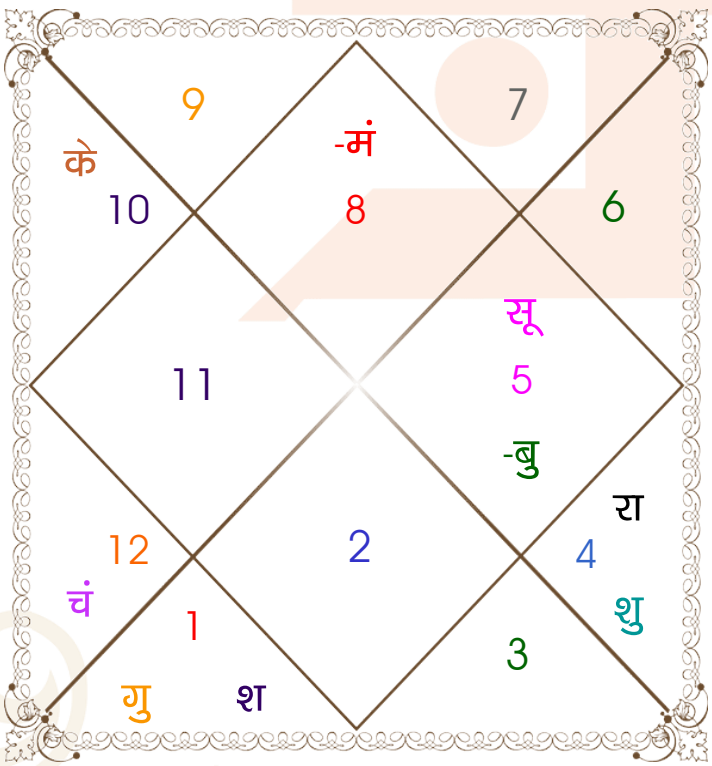

चन्द्र कुंडली

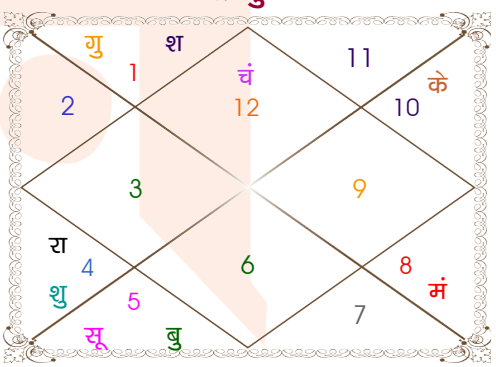

नवमांश कुंडली

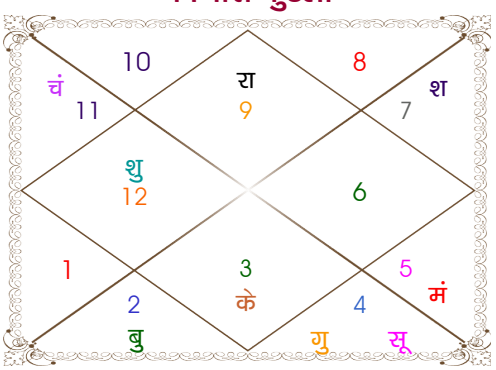

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 2 मास 8 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/08/1999		07/11/2005		07/11/2012		07/11/2032		07/11/2038	
07/11/2005		07/11/2012		07/11/2032		07/11/2038		07/11/2048	
	00/00/0000	केतु	05/04/2006	शुक्र	08/03/2016	सूर्य	24/02/2033	चंद्र	08/09/2039
	00/00/0000	शुक्र	05/06/2007	सूर्य	09/03/2017	चंद्र	26/08/2033	मंगल	08/04/2040
	00/00/0000	सूर्य	11/10/2007	चंद्र	07/11/2018	मंगल	01/01/2034	राहु	08/10/2041
	00/00/0000	चंद्र	11/05/2008	मंगल	07/01/2020	राहु	26/11/2034	गुरु	07/02/2043
	00/00/0000	मंगल	07/10/2008	राहु	07/01/2023	गुरु	14/09/2035	शनि	07/09/2044
	30/08/1999	राहु	26/10/2009	गुरु	07/09/2025	शनि	26/08/2036	बुध	06/02/2046
राहु	22/11/2000	गुरु	02/10/2010	शनि	07/11/2028	बुध	02/07/2037	केतु	07/09/2046
गुरु	28/02/2003	शनि	11/11/2011	बुध	08/09/2031	केतु	07/11/2037	शुक्र	08/05/2048
शनि	07/11/2005	बुध	07/11/2012	केतु	07/11/2032	शुक्र	07/11/2038	सूर्य	07/11/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/11/2048		08/11/2055		07/11/2073		07/11/2089		08/11/2108	
08/11/2055		07/11/2073		07/11/2089		08/11/2108		00/00/0000	
मंगल	05/04/2049	राहु	21/07/2058	गुरु	26/12/2075	शनि	10/11/2092	बुध	06/04/2111
राहु	23/04/2050	गुरु	13/12/2060	शनि	09/07/2078	बुध	21/07/2095	केतु	03/04/2112
गुरु	30/03/2051	शनि	20/10/2063	बुध	13/10/2080	केतु	29/08/2096	शुक्र	01/02/2115
शनि	08/05/2052	बुध	09/05/2066	केतु	19/09/2081	शुक्र	29/10/2099	सूर्य	09/12/2115
बुध	05/05/2053	केतु	27/05/2067	शुक्र	20/05/2084	सूर्य	11/10/2100	चंद्र	09/05/2117
केतु	01/10/2053	शुक्र	27/05/2070	सूर्य	09/03/2085	चंद्र	13/05/2102	मंगल	07/05/2118
शुक्र	02/12/2054	सूर्य	21/04/2071	चंद्र	09/07/2086	मंगल	21/06/2103	राहु	31/08/2119
सूर्य	08/04/2055	चंद्र	19/10/2072	मंगल	14/06/2087	राहु	27/04/2106		00/00/0000
चंद्र	08/11/2055	मंगल	07/11/2073	राहु	07/11/2089	गुरु	08/11/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 2 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखती हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करती हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देती हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहता हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि की चालाक महिला हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेती हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा की ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकती हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगी। आप चाहती है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकती हैं। आप अपने जीवन संगी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाती हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करता है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाती हो तथा इसे दुखद अनुभव करती हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करती हो। आप अपनी जीवन संगी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करती रहेंगी। आप अपने उत्तम जीवन-संगी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस पुरुष का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकती हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।